स्तिफनुस, एक आत्मा से भरपूर मनुष्य

पवित्र आत्मा को आज्ञा दे हमें बदले और हमारा मार्गदर्शन करे।

जो लोग बच्चों को पढ़ाते हैं पढ़े अध्ययन चस 5 ब

प्रार्थना: पवित्र आत्मा से कहो कि तुमहारे को नया बनायें और अधिक से अधिक हमें प्रभु यीशु जैसा बनायें।

पिछला भाग: यूहन्ना में 14-16, में यीशु कहता है की मैं स्वर्ग की ओर जाऊंगा और अपनी जगह एक और सहायक भेजूंगा। पवित्र आत्मा कोई शरीर नहीं है जैसा यीशु का था। पवित्र आत्मा हममें रहता है। (1 कुरिन्थियों 6:19 यूहन्ना 14:17) वो कहाँ है? तुम रहकर में वो तुम्हे मार्ग दिखाता है वह तुम्हारी मदद करता है जब तुम दुसरों को सिखाते हैं वो तुम्हें क्या अच्छा और क्या बुरा है दिखाता है। यूहन्ना (16:8-13)।

1. **स्तिफनुस से सीखो कि पवित्र आत्मा हममें काम करे।**

प्रेरितों के काम में 6:1-7 स्तिफनुस किस प्रकार का काम यरुशलेम की जनता में करता था।

ढूंढो: प्रेरितों के काम 6:3 किस प्रकार के मनुष्यों को इस काम के लिये चुनता था।

ढूंढो: प्रेरितों के काम 6:8-16 किस प्रकार के लोग स्तिफनुस के खिलाफ गवाही देते थे।

स्तिफनुस के संदेश में इस्राएल के इतिहास के बहाव अनुसरण करें। **प्रेरितों के काम 7**

ढूंढों प्रेरितों के काम 7:57-59 तक स्तिफनुस के वचनों पर प्रधानों की क्या प्रतिक्रिया होती थी।

ढूंढों प्रेरितों के काम 7:60 स्तिफनुस की उनके गुस्से और मारपीट पर कैसी प्रतिक्रिया होती थी।

उन आठ कामों को खोजें जो पवित्र आत्मा हमारे लिये करता है जो यीशु पर विश्वास रखते हैं।

1) **यूहन्ना 14:26,** कैसे वो हमें अर्थ समझने में मदद करता है
2) **यूहन्ना 16:8** वो हमारे बारे में हमें क्या दिखाता है।
3) **प्रेरितों के काम 1:8,** वो कैसे बल देता है।
4) **रोमियों 8:11-14,** वो हमारे लिये क्या करता है।
5) **रोमियों 8:15-17,** वो हमें क्या उम्मीद देता है।
6) **इफिसियों 1:13-14,** कैसे वो हमारे जीवन हमारे पापों से मुक्ति की जमानत लेता है।
7) **कुरिन्थियों 12:1-12;** वो कैसे हमें इकट्ठा करता है काम करने के लिये।
8) **कुरिन्थियों 12:13;** वो हमें हमेशा के लिये कहाँ स्थापित करता है।

(उत्तर:

1) पवित्र आत्मा हमें सब कुछ सिखाता है।

2) वो हमें हमारे पापो से विश्वस्त करवाता है।

3) वो हमें शक्ति देता हे ताकि हम यीशु के लिये असरदार गवाही दे सकें।

4) वो हमें नई पवित्रता की जिन्दगी देता है।

5) वो हमें आश्वासन देता है कि हम प्रभु के बच्चे और स्वर्गीय में बहुमूल्य चीज़ों व प्रभु के साथ उसके राज्य में उत्तराधिकारी है।

6) वो हमारे स्वर्ग के उत्तराधिकारी होने की जमानत लेता है और हम पर मोहर लगाता है।

7) वो उसने हमें मसीह के कलीसिया में बपतिस्मा दिया है।

8) वो हमें तरह-तरह के आत्मिक तोहफों दे कर हमारे शरीर का नैतिक उत्थान करता है।

2. अपने सह साथियों के साथ योजना बनाएं विश्वासी अगले सप्ताह क्या करेंगे।

- विश्वासियों में किसी एक से मुलाकात करो जिन्हें सन्देह हो कि उन्हें वास्तव में पवित्र आत्मा ग्रहण नहीं मिला है। उनके लिये प्रार्थना करो और उनसे कहो कि वो भी पवित्र आत्मा की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करें।
- मानो इनमें से किसी को पवित्र आत्मा के काम के बारे में समझ न आये तब उन्हें अधिक और पूरी तरह से उन आठ वस्तुओं के बारे में जिनका वर्णन ऊपर किया गया है कि वो हम सभी लिये क्या करता है।

3. साथियों के साथ आनेवाली आराधना के समय की योजना बनाओ

सक्रिय कार्य करो जो कि स्थानीय प्रजाओं और जरुरतों के योग्य हों:

आराधना के दरम्यान प्रार्थना करो कि पवित्र आत्मा हमारे रुप बदले और हमें आज्ञाकारी सेवक बनाये।

परमेश्वर का धन्यवाद करें जीत के लिये और चंगाई जो लोगो ने पिछले सप्ताह पवित्र आत्मा द्वारा ग्रहण की।

पवित्र आत्मा के फल के लिये बोलो और गाओ। एक योग्य व्यक्ति से पूछो कि वो एक कविता लिखें जिसमें कि उसे नौ धार्मिक गुणों के बारे में जो पवित्र आत्मा हम में उत्पन्न करती है। जिनका जिक्र गलतियों 5:22-23 में किया गया है। एक जन इसे पूरी शक्ति से सरल धुन में तैयार करें जिससे कि सब विश्वासी इसे गा सके।

स्तिफनुस की कहानी बताओ। बाद में बच्चों को उसे नाटक का रुप करने दे।

विश्वासियों से प्रश्न पूछो कि प्रेरितों के काम 6 और 7 (पहले आधा से) में किन वस्तुओं के बारे में तुम जानकारी पाते हो।

प्रर्द्रशन करो कैसे पवित्र आत्मा हारे दिलों को बदलता है। दो युवा पुरुषों से पूछो कि वो दरबान और **अन्वेषक नाटक में भाग लें।** (इस चित्र की नकल करे और कागज को एक दिल की आकृति दे दरबान)

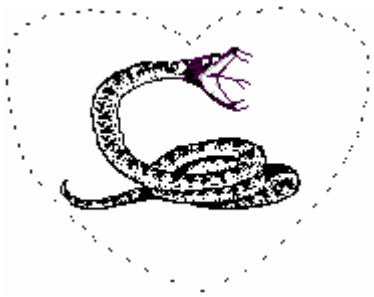

दरबान : (एक तरफ खड़ा होकर ऊंची आवाज में बोले)

अन्वेषक : दरबान की तरफ चले हर एक जन सांप को देखें उसी आवाज में कहें, "दरबान महाशय, मेहरबानी से मुझे स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने दो।"

दरबान: "अन्वेषक महाराज, तुम अपने साथ जो तुम्हारे हृदय में गन्दी वस्तुयें हैं उन्हें अन्दर नहीं ला सकते।

अन्वेषक: लेकिन मैं अपने पापों को अपने दिल में से कैसे निकाल सकता हूँ।"

दरबान: (ऊँची आवाज में पढ़ो 1 यहून्ना 7-9)

अन्वेषक: मैं। अपने गुनाहों को कबूल करता हूँ और यीशु से पूछता हूं कि मुझे माफ करे (शैतान की तरफ इशारा करे।) "लेकिन मैं अपने अन्दर से इस गन्दी वस्तु को कैसे निकाल सकता हूँ।"

दरबान: अगर किसी कारणवश तुम्हारे गुनाह माफ किये जाते हैं, पर तुम स्वर्ग में प्रवेश नहीं पा सकते क्योंकि अब भी शैतान के पीछे जाने की इच्छा रखते हो वही पुराना सांप।

अन्वेषक: आप पवित्रात्मा से कहें कि आपके हृदय को बदले।" (पढ़े गलतियों 5:16-24)

श्रीमान् दरबान मैं यीशु से से कहूंगा कि मेरे पापों को अपने खून के द्वारा धो दें। पवित्र आत्मा मेरी मदद करेगी ताकि मेरे पुराने गुनाहो को क्रूस पर चढ़ा दे और मुझको प्यार और अच्छाई से भर दे (शैतान या सांप की तस्वीर को दूर फेकों)

दरबान: स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करो।"

सब मिल कर याद करे। यूहन्ना 14:15-16

बच्चों को उनका नाटक स्तिफनुस के बारे में दिखाने को कहें और प्रश्न जो उन्होंने तैयार किये हैं पूछे।

उस सूची के बारे में तर्क करें जो आठ काम पवित्र आत्मा हमारे लिये करती है। (भाग 1 से)

यीशु के मरने से पहले की उस रात का वर्णन करे, उसने अपने दु:खी चेलों से कहो कि वह उन्हें छोड़ रहा है। फिर पूछो, "वह कैसा महसूस करेंगे अगर वो व्यक्ति जिसे तुम सबसे अधिक प्यार करते हो तुम्हें छोड़ रहा हो?"

प्रभु यीशु के गुप्त रहस्यों का वर्णन करो: उसकी तुलना पवित्र आत्मा से करते हुए। पढ़ें यूहन्ना 14:15-17

- प्रभु यीशु ने उनसे कहा वह उनकी अवहेलना नहीं छोड़ेगा। वह एक सहायक भेजेगा।
- प्रभु यीशु ने प्रतिज्ञा की, "मैं तुम्हें अनाथ की तरह नहीं छोडुंगा; मैं तुम्हारे पास आऊँगा"। (यूहन्ना 14:18)
- पढ़े यूहन्ना 16:13-15 यीशु ने कहा, "मैं। और पिता एक ही है" यूहन्ना 10:30 में। वह इस प्रकार कह सकता था, "मैं और पवित्र आत्मा एक ही है," परमेश्वर पिता, परमेश्वर बेटा और परमेश्वर पवित्र आत्मा, यद्यपि अलम 2 है, एक ही तत्व परमेश्वर में एक ही समूह है, यानि त्रिमूर्ति।

प्रभु भोज की तैयारी करो व किस प्रकार पुराने नियम के पुजारी लोग आराधना स्थल के तम्बू में परमेश्वर के सामने पवित्र रोटी को मेज पर रख कर किस प्रकार बाँटते थे। (उत्पत्ति 25:30) हम भी प्रभु की उपस्थिति में रोटी खायेंगे, और "इसी प्रकार मेमने की शादी स्वर्ग में इसी प्रकार करेंगे।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net